दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, बुधवार 18 जनवरी 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 112

महत्वपूर्ण एवं खास

सीबीआई ने रेलवे के पूर्व अधिकारी से 17 किलो सोना, 1.5 करोड़ कैश किया बरामद

नई दिल्ली (आरएनएस)। सीबीआई ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में भुवनेश्वर में रेलवे के एक पूर्व अधिकारी प्रमोद कुमार जैन के ठिकानों पर मंगलवार को छापेमारी की। इस दौरान 1.5 करोड़ रुपये कैश, 8.5 करोड़ रुपये का 17 किलोग्राम सोना और 2.5 करोड़ रुपये की बैंक जमा राशि बरामद की। इसके अलावा, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को आरोपी और उसके परिवार के नाम पर दर्ज संपत्ति के कई दस्तावेज भी मिले। जैना 1989 बैच के एक सेवानिवृत्त भारतीय रेलवे यातायात अधिकारी हैं। उसके खिलाफ तीन जनवरी को एफआईआर दर्ज की गयी थी। सीबीआई ने इस मामले में अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

कर्नाटक में एम्स के लिए आंदोलन के 250 दिन पूरे, आज से भूख हड़ताल

रायचूर (आरएनएस)। जिले में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की स्थापना की मांग को लेकर रायचूर के संगठन और लोग मंगलवार से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करेंगे। रायचूर में एम्स की मांग को लेकर धरना शुरू करने वाली एम्स आंदोलन समिति ने 16 जनवरी को 250 दिन पूरे कर लिए हैं। समिति के महासचिव बसवराज कलासा ने कहा है कि वे मंगलवार को बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, हम शांतिपूर्वक विरोध कर रहे हैं। लेकिन सरकार हमारी मांग पर ध्यान नहीं दे रही है। जिले के प्रभारी मंत्री भी रुचि नहीं ले रहे हैं। आंदोलनकारी मंगलवार से सामूहिक रूप से 24 घंटे के लिए भूख हड़ताल करेंगे। बाद में इसे बारी-बारी से जारी रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि दो आंदोलनकारी प्रतिदिन भूख हड़ताल पर बैठेंगे। रायचूर में एम्स की स्थापना के लिए केंद्र सरकार को पत्र नहीं लिखने पर राज्य सरकार द्वारा आंदोलन तेज करने की योजना बनाई जा रही है।

बाइकों की भिड़ंत में पिता पुत्र समेत तीन की मौत

प्रतापगढ़ (आरएनएस)। रानीगंज तहसील मुख्यालय से पट्टी मार्ग स्थित बुढ़ौरा मोड़ पर सोमवार दोपहर आमने-सामने दो बाइक की भिड़ंत में पिता-पुत्र की मौत हो गई। दूसरी बाइक पर सवार एक युवक ने प्रयागराज में दम तोड़ा, जबकि उसके साथी को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। सूचना पर एसपी सतपाल अंतिल मौके पर पहुंचे।जौनपुर के सुजानगंज चावरिया निवासी राधेश्याम (55) बेटे अजय (20) की बाइक पर बैठकर बेटी अंतिमा के घर खिचड़ी पहुंचाने मानधाता इलाके के बरईपुर आ रहे थे। दो साल पहले अंतिमा की शादी बरईपुर के रिंकू के साथ हुई थी। 12 बजे पट्टी से रानीगंज आते समय बुढ़ौरा मोड़ के पास सामने से आई बाइक से अजय की बाइक भिड़ गई।उस बाइक पर रानीगंज के ही पूरेचंदन निवासी वाहिद अली (25) और पड़ोसी संदीप प्रजापति (21) बैठे थे। सभी को गंभीर चोट आई। कुछ ही देर में राधेश्याम व उनके बेटे अजय की मौत हो गई। वाहिद अली को एक कार सवार सीएचसी ले गया। वहां से परिजन प्रयागराज ले गए लेकिन उसकी भी मौत हो गई। घायल संदीप को एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज ले जाया गया।

असम पुलिस ने 50 करोड़ रुपये मूल्य का मादक पदार्थ जब्त किया

गुवाहाटी (आरएनएस)। असम पुलिस ने मंगलवार सुबह राज्य के करीमगंज जिले में बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित सामग्री जब्त की है, अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि मिजोरम से आ रही एक गाड़ी से कुल 7.6 लाख याबा टैबलेट जब्त किए गए। पुलिस ने नशा तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि बरामद मादक पदार्थ की बाजार कीमत करीब 50 करोड़ रुपये है। पुलिस अधीक्षक पद्मनाभ बरुआ ने कहा कि करीमगंज शहर से सटे पुलिस चौकी पर पुलिस अधिकारियों ने आज सुबह एक वाहन की असामान्य आवाजाही देखी। पुलिस अधिकारी ने कहा, जब पुलिस अधिकारियों ने वाहन को रोका और इसकी जांच करने का प्रयास किया तो चालक ने 20 लाख की रिश्वत की पेशकश की। चालक को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। तलाशी लेने पर पुलिस को याबा टैबलेट के कई पैकेट मिले। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान हबीज जमान के रूप में हुई है। वह करीमगंज जिले का रहने वाला है।

जोशीमठ भू-धंसाव : भगवान बदरीनाथ के करोड़ों के खजाने पर मंडरा रहा खतरा, शिफ्ट करने की तैयारी

चमोली (आरएनएस)। जोशीमठ शहर भूधंसाव की जद में है। यहां घरों-सडक़ों पर दरारें पड़ गई हैं, सैकड़ों लोग बेघर होकर पुनर्वास केंद्रों में रहने को मजबूर हैं। खतरा सिर्फ लोगों के आशियाने पर ही नहीं, बल्कि भगवान बदरीनाथ के करोड़ों के खजाने पर भी है। इस खजाने को सुरक्षित रखने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है।

यात्राकाल में श्रद्धालु भगवान बदरीनारायण को जेवर, हीरे-जवाहरात, सोना-चांदी, नकदी और अन्य सामान भेंट करते हैं। जब बदरीनाथ धाम के कपाट बंद होते हैं तो यह सामान जोशीमठ लाकर नृसिंह मंदिर स्थित समिति के मुख्य कार्यालय के खजाने में जमा करा दिया जाता है। कपाट खुलने पर ये खजाना फिर से बदरीनाथ स्थानांतरित किया जाता है।

बताया गया कि खजाने में करोड़ों की नकदी के अलावा 30 क्विंटल चांदी, 45 किलो से अधिक सोना व बेशकीमती जेवरात शामिल हैं। फिलहाल भगवान बदरी नारायण का शीतकालीन पूजा स्थल नृसिंह मंदिर पूरी तरह सुरक्षित है, लेकिन खतरा बरकरार है।

ऐसे में श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति करोड़ों के खजाने को सुरक्षित रखने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था कर रही है। श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति इसे पीपलकोटी स्थित समिति की धर्मशाला में रख सकती है।

सोमवार को मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने अधिकारियों संग बैठक कर पीपलकोटी स्थित मंदिर समिति की धर्मशाला का निरीक्षण किया और उसे सुरक्षित भी माना। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यदि मंदिर परिसर में भूधंसाव का संकट खड़ा होता है, तो खजाना स्थानांतरित करने के लिए तत्काल कदम उठाना सुनिश्चित करें।

उधर जोशीमठ की रक्षा के लिए ज्योतिष्पीठ के संत स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने नृसिंह मंदिर परिसर में जोशीमठ रक्षा महायज्ञ शुरू कर दिया है। 100 दिन तक चलने वाले इस यज्ञ में 10 लाख आहुतियां डाली जाएंगी। यज्ञ के तहत दुर्गा सप्तशती का एक हजार बार पाठ किया जाएगा। यज्ञ में ज्योतिर्मठ के संतों के साथ जोशीमठ के आपदा प्रभावित भी हिस्सा ले रहे हैं।

प्रभावित छात्र- छात्राओं को बोर्ड परीक्षा केंद्र चुनने की छूट

जोशीमठ में भू-धंसाव प्रभावित छात्र-छात्राओं को बोर्ड परीक्षा केंद्र चुनने की छूट मिलेगी। उत्तराखंड बोर्ड के साथ ही अन्य बोर्ड से भी यह सुविधा दिलाने का प्रयास किया जाएगा। उत्तराखंड सरकार की ओर से छात्रों से परीक्षा केंद्र के विकल्प लिए जाएंगे। मंगलवार को शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत ने अधिकारियों इसकी व्यवस्था कराने के निर्देश दे दिए। जोशीमठ दौरे से वापस लौटने पर शिक्षा मंत्री ने ननूरखेड़ा स्थित शिक्षा महानिदेशालय में अधिकारियों के साथ समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राहत कैम्पों में रह रहे प्रभावित छात्र-छात्राओं को सुविधानुसार किसी भी शहर में परीक्षा केन्द्र चुनने की छूट दी जाय। जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी सूची तैयार कर शीघ्र संबंधित बोर्ड के अधिकारियों को प्रभावित छात्र-छात्राओं का विवरण उपलब्ध कराएंगे। आपदा प्रभावित क्षेत्र के अधिकतर छात्र-छात्राएं उत्तराखंड बोर्ड व सीबीएससी बोर्ड के विद्यालयों में पढ़ते हैं। सीबीएससी बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी व उत्तराखंड बोर्ड के सचिव को प्रभावित छात्र-छात्रों को उनकी सुविधानुसार बोर्ड परीक्षा केन्द्र आवंटित कराने के निर्देश दे दिये गये हैं। मंत्री ने वित्तीय वर्ष 2022-23 हेतु विभिन्न मदों में स्वीकृत बजट का उपयोग कर उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध करने के निर्देश भी दिए। बैठक में शिक्षा सचिव रविनाथ रमन, अपर सचिव योगेन्द्र यादव, डीजी बंशीधर तिवारी, सीबीएससी बोर्ड के संयुक्त सचिव व क्षेत्रीय अधिकारी रणवीर सिंह चौहान, माध्यमिक निदेशक आरके कुंवर, बेसिक शिक्षा निदेशक वंदना गर्ब्याल, एड़ी आरडी शर्मा आदि मौजूद रहे।

बडगाम में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकी ढेर, हथियार भी बरामद

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू कश्मीर के बडगाम में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। यहां सुरक्षाबलों ने एनकाउंटर में दो आतंकियों को ढेर कर दिया है। जानकारी मिली है कि दोनों आतंकी यहां छिपे हुए थे और उन्होंने सुरक्षाबलों पर गोलियां चलाई थी। एडीजी कश्मीर ने बताया कि दोनों आतंकी लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े हुए थे। फिलहाल सर्च ऑपरेशन जारी है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि बडगाम जिला अदालत परिसर के पास एक विशेष इनपुट पर सेना और पुलिस की संयुक्त टीम की तरफ से नाका लगाया गया था। इस दौरान एक संदिग्ध वाहन को रोकने की कोशिश की गई। आतंकवादियों ने इसकी भनक लगते ही गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई में दो आतंकवादी ढेर हो गए हैं। आतंकियों के पास से हथियार और गोला बारूद भी बरामद किया गया है। इलाके में तलाशी अभियान भी चलाया जा रहा है।

एडीजीपी कश्मीर विजय कुमार ने बताया कि दोनों आतंकियों की पहचान कर ली गई है। इनमें अरबाज मीर और शाहिद शेख शामिल है। दोनों पुलवामा के रहने वाले थे और प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर ए तैयबा से जुड़े थे। हाल की मुठभेड़ में दोनों आतंकी फरार हो गए थे।

झारखंड के साहिबगंज में बच्चों को मोबाइल फोन चोरी की दी जा रही ट्रेनिंग

रांची (आरएनएस)। झारखंड के साहिबगंज जिले के राजमहल और तिनपहाड़ कस्बों में ऐसे 'स्कूल' हैं, जहां बच्चों को मोबाइल फोन चुराने की ट्रेनिंग दी जाती है। यहां प्रशिक्षित बच्चों को बड़े शहरों और महानगरों में भेजा जाता है और फिर गिरोह के नेता उन्हें क्षेत्र आवंटित करते हैं और उनके काम की निगरानी करते हैं। रांची पुलिस ने हाल ही में मोबाइल फोन चोर गिरोह के चार नाबालिग सदस्यों को पकड़ा है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी के 43 मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं।

गिरोह के एक 17 वर्षीय सदस्य ने पुलिस को बताया कि उसे 2020 में भी मोबाइल चोरी के आरोप में पकड़ा गया था और फिर चार महीने तक बिहार के बक्सर जिले के किशोर गृह में रखा गया था।

गिरोह का एक अन्य सदस्य, जो केवल 11 वर्ष का था, ने खुलासा किया कि वह भी पिछले दिनों एक मोबाइल चोरी के मामले में शामिल था और उसे 11 दिनों के लिए बिहार के भागलपुर में एक किशोर गृह में रखा गया था।

चोरी जैसे अपराधों के लिए बच्चों को थोड़े समय के लिए किशोर गृहों में रखा जाता है। पुलिस भी इनके बारे में ज्यादा पूछताछ नहीं करती है।

पकड़े गए गिरोह के सदस्यों ने पुलिस को बताया कि उन्हें हर दिन 8 से 10 मोबाइल चोरी करने का टारगेट दिया जाता है। हर मोबाइल चोरी के लिए उन्हें मिलने वाला पारिश्रमिक तय होता है।

ब्रांड और मोबाइल फोन की कीमत के आधार पर उन्हें प्रति हैंडसेट 1000 रुपये से 2000 रुपये मिलते हैं।

गिरोह के बड़े सदस्य बच्चों के आसपास खड़े होते हैं। ये बच्चे मोबाइल फोन चोरी करने के तुरंत बाद इसे बड़े सदस्यों को सौंप देते हैं। जब बड़ी संख्या में चोरी के मोबाइल जमा हो जाते हैं तो गिरोह का सरगना उन्हें साहिबगंज ले जाता है।

मोबाइल चोरी में शामिल बच्चे अपने माता-पिता की सहमति से यह काम करते हैं। ज्यादातर बच्चे गरीब आर्थिक स्थिति वाले परिवारों से आते हैं। वे ज्यादातर साहिबगंज जिले (झारखंड) के तिनपहाड़, तालझरी और महाराजपुर और पश्चिम बंगाल के बर्धमान जिले के बरनपुर, हीरापुर, आसनसोल से हैं।

पकड़े गए बच्चों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने तिनपहाड़ और राजमहल में मोबाइल चोरी करने का प्रशिक्षण प्राप्त किया था। उनके बॉस सूरज, चंदन और अन्य ने उन्हें मोबाइल फोन चोरी करने के तरीके सिखाए। ट्रेनिंग के बाद इन्हें रांची लाया गया। उनके अनुसार सब्जी और दैनिक बाजार मोबाइल चोरी करने के लिए सबसे अच्छी जगह हैं, क्योंकि कार्य पूरा करने के बाद उनके लिए वहां से गायब होना आसान होता है।

यूएन में चीन ने छोड़ा पाक का साथ, लश्कर-ए-तैयबा का डिप्टी मक्की ग्लोबल आतंकी घोषित

न्यूयॉर्क । लंबे समय से पाकिस्तानी आतंकवादी अब्दुल रहमान मक्की का समर्थन करते आ रहे चीन ने आखिरकार अपना हाथ खींच लिया है। इसके बाद संयुक्त राष्ट्र ने लश्कर-ए-तैयबा के डिप्टी मक्की को अंतरराष्ट्रीय आतंकी की लिस्ट में डाल दिया है। इससे पहले जब भी इसको लेकर प्रस्ताव पेश किया जाता था, चीन अड़ंगा लगा देता था। पहली बार उसने पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद के खिलाफ कड़ा कदम उठाया है। बता दें कि मक्की को अमेरिका पहले ही आतंकी घोषित कर दिया है। सोमवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने भी उसे ग्लोबल टेररिस्ट की लिस्ट में शामिल कर लिया। बता दें कि बीते साल जून में भारत ने इसी बात को लेकर चीन को खूब सुनाया था। यूएन में जब मक्की के खिलाफ प्रस्ताव लाया गया था तब चीन ने अज्ञात कारणों से इसपर असहमति जता दी थी। 75 साल के मक्की का लश्कर में बड़ा पद था और भारत ने भी अपने देश के कानून के मुताबिक उसे आतंकवादी घोषित कर रखा है। यूएन ने अपने बयान में कहा कि सेक्योरिटी काउंसिल की कमिटी प्रस्ताव संख्या 1267, 1989 और 2253 को ध्यान में रखते हुए अलकायदा और अन्य आतंकी संगठनों से संबंध रखने के लिए चैप्टर 7 के अंतरगत अब्दुल रहमान मक्की पर संपत्ति को फ्रीज करने, ट्रैवल बैन और अन्य प्रतिबंधों के साथ अब्दुल रहमान मक्की को वैश्विक आतंकी की लिस्ट में शामिल करती है।

भारत ने अब्दुल रहमान मक्की को वैश्विक आतंकी घोषित करने के फैसले का किया स्वागत

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) द्वारा पाकिस्तान में रहने वाले लश्कर-ए-तैयबा के नेता अब्दुल रहमान मक्की को वैश्विक आतंकवादी घोषित करने के फैसले का स्वागत किया। विदेश मंत्रालय ने कहा, हम लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के आतंकवादी अब्दुल रहमान मक्की को सूचीबद्ध करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आईएसआईएल और अल कायदा प्रतिबंध समिति के फैसले का स्वागत करते हैं, जो लश्कर नेता हाफिज सईद का बहनोई भी है। प्रवक्ता अरिंदम बागची ने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि इस क्षेत्र में आतंकवाद का खतरा अधिक बना हुआ है और यूएनएससी द्वारा प्रतिबंध ऐसे खतरों को रोकने के लिए एक प्रभावी उपकरण है। बागची ने कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ विश्वसनीय, सत्यापन योग्य और अपरिवर्तनीय कार्रवाई करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय पर दबाव बनाता रहेगा। प्रवक्ता ने बताया कि मक्की ने संगठन के लिए धन जुटाने सहित लश्कर में विभिन्न नेतृत्व की भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि भारत आतंकवाद के प्रति जीरो-टॉलरेंस के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और आतंकवाद के खिलाफ विश्वसनीय, सत्यापन योग्य और अपरिवर्तनीय कार्रवाई करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय पर दबाव बनाता रहेगा।

आगराखाल के पास कार खाई में गिरी, तीन लोगों की मौत

नई टिहरी । आरएनएस

तहसील नरेंद्रनगर के आगरखाल-दियूली-कुसरेला मोटरमार्ग पर सलडोगी के पास एक कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। दुर्घटना में कार सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने खाई से शवों को निकालकर पोस्टमार्टम के लिए नरेंद्रनगर अस्पताल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार को करीब साढ़े 12 बजे आगरखाल से डेढ़ किमी आगे सलडोगी गांव के निकट एक कार गहरी खाई में जा गिरी। कार गिरने की सूचना पर मौके पर पहुंची थाना नरेंद्रनगर, आगरखाल चौकी तथा एसडीआरएफ की टीम ने खाई में उतरकर रेस्क्यू शुरू किया। पुलिस टीम व एसडीआरएफ की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद शवों को खाई से बाहर निकाला। नरेंद्रनगर थानाध्यक्ष प्रदीप पंत ने बताया कि दुर्घटना में कार में सवार दीवान सिंह(52) पुत्र सुन्दर सिंह निवासी ग्राम पाटा फकोट, सतीश सिंह(37) पुत्र जगत सिंह निवासी ग्राम कसमोली तथा कुंवर सिंह(57) पुत्र शेर सिंह निवासी ग्राम आगर की मौत हो गई। बताया कि शवों को खाई से निकालकर पंचनामा भरने की कार्रवाई के बाद पीएम के लिए श्रीदेव सुमन संयुक्त चिकित्सालय नरेंद्रनगर भेजा गया।

बस्तर आर्गेनिक कॉफी को मिली नई पहचान, जल्द ही बड़े शहरों में भी खुलेंगे आउटलेट्स

जगदलपुर (आरएनएस)। उद्यानिकी विभाग द्वारा 20 एकड़ में प्रायोगिक तौर पर शुरू की गई कॉफी की खेती अब किसानों के खेतों तक पहुंच चुकी है। वर्ष 2017 में 20 एकड़ में लगाई गई कॉफी से 2021-22 में 09 चूंटिल कॉफी का उत्पादन किया गया। जिसके बाद उद्यानिकी विभाग द्वारा किसानों और स्वसहायता समूह की महिलाओं को कॉफी की प्लांटिंग और प्रोसेसिंग से लेकर मार्केटिंग तक के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। वर्ष 2021 की पहली परियोजना के अंतर्गत 100 एकड़ की जमीन पर डिलमिली में 34 किसानों के एक समूह द्वारा खेती की जा रही है।

आज दरभा जैसा सुदूर ग्रामीण क्षेत्र बस्तर की कॉफी का गढ़ बन रहा है और इसकी पहचान कॉफी की खेती के लिए हो रही है। बस्तर की कॉफी की एक खास बात यह भी है कि यह पूरी तरह से फर्टिलाइजर मुक्त है जिसकी वजह से इसे आर्गेनिक कॉफी भी कहा जा सकता है। जिला मुख्यालय जगदलपुर में स्थापित बस्तर कैफे बस्तर कॉफी की ब्रांडिंग करता है। जहां पर्यटक और स्थानीय निवासी बस्तर कॉफी का स्वाद ले रहे हैं। वहीं विश्व प्रसिद्ध चित्रकोट में भी महिलाएं बस्तर कॉफी बेच रही हैं। इसके अलावा जिस तरह से सीसीडी और स्टारबक्स की कॉफी प्रसिद्ध है बस्तर कैफे आउटलेट भी दुनियाभर में बस्तर कॉफी को नया आयाम देगी। जिसके लिए बस्तर कैफे को देश के बड़े शहरों तक पहुंचाने पर काम किया जा रहा है।

वहीं दूसरी परियोजना के अंतर्गत कांदानार पंचायत के एक गांव में 24 किसान 100 एकड़ में कॉफी की खेती कर रहे हैं। खास बात यह है कि ये किसान वनाधिकार पट्टा वाली जमीन पर खेती कर रहे हैं। वहीं तीसरी परियोजना के अंतर्गत मुंडागढ़ की पहाड़ियों पर दुर्लभ किस्म की कॉफी उगाई जा रही है। यह परियोजना राज्य सरकार की डीएमएफटी फंड और नीति आयोग के सहयोग से संचालित हो रही है। बस्तर कॉफी का प्रोडक्शन किसानों के द्वारा, प्रोसेसिंग स्व सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा और मार्केटिंग बस्तर कैफे के द्वारा किया जा रहा है। जिससे किसानों को उत्पादन का सही दाम मिलेगा, बिचौलियों से किसान बचेंगे और स्व सहायता समूह की महिलाओं को आर्थिक लाभ मिलेगा।

हॉर्टिकल्चर कॉलेज के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. केपी सिंह के अनुसार शुरुआती दौर में सैनरेमन किस्म को दरभा में लगाया गया था, जो कि भारत की सबसे पुरानी कॉफी की किस्मों में से एक है। वर्ष 2018 में यहां कॉफी की अरेबिका और रोबोस्टा किस्म का प्रोडक्शन भी शुरू किया गया। फिलहाल 2018 की प्लांटिंग की हार्वेस्टिंग जारी है, और उम्मीद की जा रही है कि इस वर्ष फरवरी में लगभग 15 चूंविटल कॉफी का प्रोडक्शन हो सकता है। केपी सिंह ने बताया कि दरभा में 20 एकड़ में खेती की सफलता को देखते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल इसे किसान के खेतों तक पहुंचाना चाहते थे, इसीलिए राज्य सरकार और जिला प्रशासन की पहल से बस्तर जिले में 200 एकड़ में कॉफी की खेती की जा रही है।